[1386. Transferred to the 12th March, 1992]

देश में भुखमरी के कारण हुई मौतें

1887 **श्री ईश दत्त यादव :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पिछले छः महीनों के दौरान कुछ राज्यों से भुखमरी के कारण हुई कुछ मौतों के समाचार प्राप्त हुए हैं;

(ख) यदि हां, तो उनका राज्यवार ब्यौरा क्या है; और

(ग) इस पर सरकार की प्रतिक्रिया क्या है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुल्लापल्ली रामचन्द्रन) : (क) जी नहीं।

(ख) और (ग) प्रश्न नहीं उठते।

National Agricultural Policy

1388. SHRI E. BALANANDAN :
SHRI P. UPENDRA :
SHRI KAMAL MORARKA:
SHRI CHIMANBHAI MEHTA:
SHRI SARADA MOHANTY:
SHRI RAM AWADHESH SINGH :
SHRIMATI MIRA DAS :
DR. SANJAYA SINH :
SHRI SURESH KALMADI:
SHRI BHUBANESWAR KALITA :

Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether Govcrnment have since finalised the National Agricultural Policy;

(b) if so, what are the main features of the new policy; and

(c) whether the new policy is likely to check various imbalances in production and dispartities in income in the agriculture sector ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI MULLAPPALLY RAMACHANDRAN):

(a) No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) Reduction of imbalances in production and income disparities in the agriculture sector is proposed to be an important objective of the National Agricultural Policy.

पिछड़े तथा असिंचित क्षेत्रों के लिए उद्यान विभाग की योजनायें

1389. **श्री राम नरेश यादव :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उद्यान विभाग द्वारा अपने क्षेत्र में पिछड़े तथा असिंचित क्षेत्रों के लिए क्या-क्या भावी योजनायें तैयार की गई हैं, तथा क्या इस क्षेत्र में विकास की काफी सम्भावनायें हैं; और

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में किसानों को प्रोत्साहन दिये जाने संबंधी सरकार की योजना क्या है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुल्लापल्ली रामचन्द्रन) : (क) और (ख) पिछड़े और असिंचित क्षेत्रों सहित देश के सभी भागों में बागवानी के विकास की काफी गुंजाइश है। उष्णकटिबन्धीय और शुष्क अंचलों के विकास के लिए इस समय केन्द्र क्षेत्र की एक योजना क्रियान्वित की जा रही है, जिसका मुख्य उद्देश्य आर्द्रता संरक्षण उपायों पर विशेष बल देना तथा प्लास्टिक के उपयोग को बढ़ाना है। बागवानी क्षेत्र में ड्रिप सिंचाई योजना भी लोकप्रिय बनाई जा रही है। ऐसा प्रस्ताव है कि आठवीं योजना अवधि के दौरान इन योजनाओं के तहत आने वाले क्षेत्र और वित्तीय सहायता को बढ़ाया जाए। राज्य सरकारों से अनुरोध किया गया है कि वे पिछड़े क्षेत्रों में मसालों, काजू और कंद फसलों जैसी अन्य बागवानी स्कीमों के तहत प्राथमिक विकास शुरू करें।